



VISHALAKSH DUTT



ANUSHA

Model: Love-Horoscope

Order No: 121732401

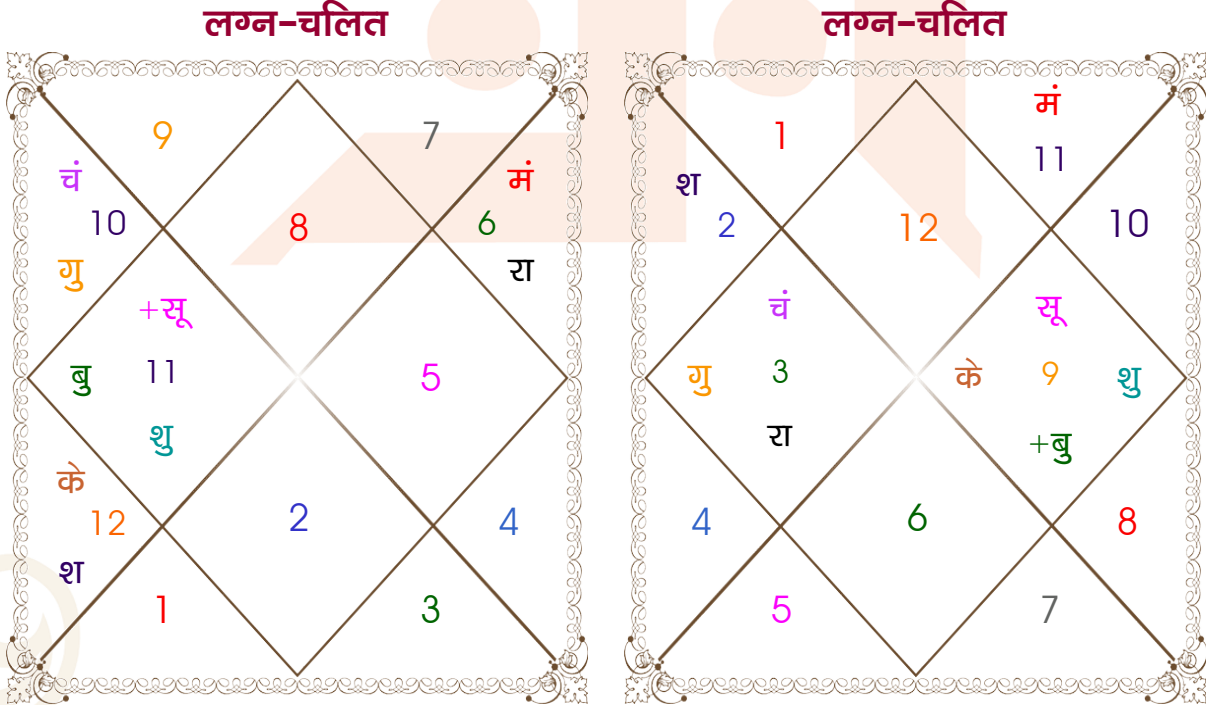
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
06/03/1997 :	जन्म तिथि	: 30/12/2001
गुरुवार :	दिन	: रविवार
घंटे 23:37:00 :	जन्म समय	: 11:55:00 घंटे
घटी 42:15:09 :	जन्म समय(घटी)	: 11:29:26 घटी
India :	देश	: India
Solan :	स्थान	: Simla
30:54:00 उत्तर :	अक्षांश	: 31:06:00 उत्तर
77:06:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:10:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:20 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:42:56 :	सूर्योदय	: 07:19:25
18:23:18 :	सूर्यास्त	: 17:28:29
23:49:04 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:49
वृश्चिक :	लग्न	: मीन
मंगल :	लग्न लग्नाधिपति	: गुरु
मकर :	राशि	: मिथुन
शनि :	राशि-स्वामी	: बुध
श्रवण :	नक्षत्र	: आर्द्रा
चन्द्र :	नक्षत्र स्वामी	: राहु
3 :	चरण	: 2
परिघ :	योग	: ब्रह्म
गर :	करण	: बव
खे-खेमचन्द :	जन्म नामाक्षर	: घ-घटी
मीन :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: मकर
वैश्य :	वर्ण	: शूद्र
जलचर :	वश्य	: मानव
वानर :	योनि	: श्वान
देव :	गण	: मनुष्य
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
मार्जार :	वर्ग	: मार्जार

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
चन्द्र 2वर्ष 6मा 16दि	00:10:51	वृश्चि	लग्न	मीन	09:20:14	राहु 10वर्ष 2मा 29दि
गुरु	22:23:40	कुंभ	सूर्य	धनु	14:44:17	गुरु
21/09/2024	19:56:24	मक	चंद्र	मिथु	12:24:35	30/03/2012
21/09/2040	06:54:37	कन्या व	मंगल	कुंभ	21:43:59	30/03/2028
गुरु 09/11/2026	18:00:46	कुंभ	बुध	धनु	29:00:21	गुरु 18/05/2014
शनि 23/05/2029	16:13:27	मक	गुरु व	मिथु	17:01:16	शनि 28/11/2016
बुध 29/08/2031	15:39:25	कुंभ	शुक्र	धनु	11:06:03	बुध 06/03/2019
केतु 04/08/2032	13:26:35	मीन	शनि व	वृष	15:33:20	केतु 10/02/2020
शुक्र 05/04/2035	04:55:24	कन्या व	राहु व	मिथु	03:19:08	शुक्र 11/10/2022
सूर्य 22/01/2036	04:55:24	मीन व	केतु व	धनु	03:19:08	सूर्य 30/07/2023
चन्द्र 23/05/2037	13:05:05	मक	हर्ष	मक	28:29:55	चन्द्र 28/11/2024
मंगल 29/04/2038	05:18:13	मक	नेप	मक	13:30:17	मंगल 04/11/2025
राहु 21/09/2040	11:47:02	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	22:05:39	राहु 30/03/2028

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

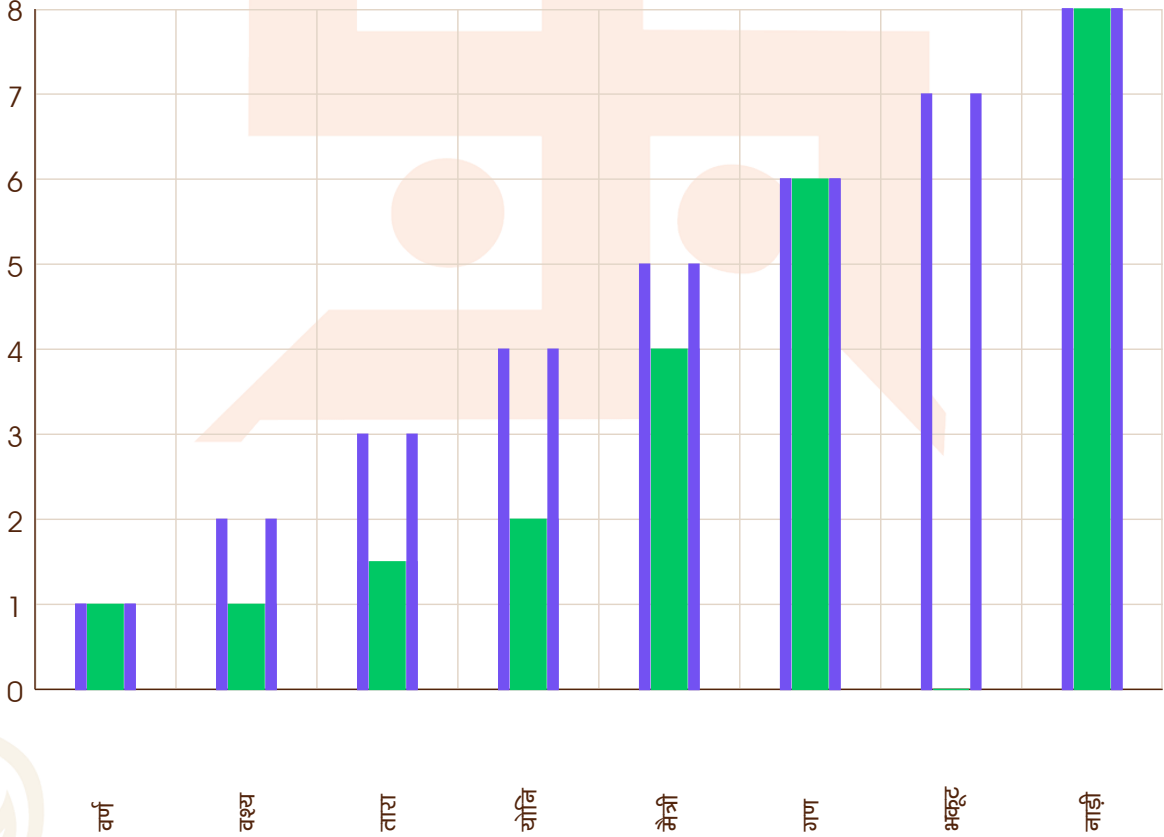
23:49:04 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:49



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	वानर	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	बुध	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	मिथुन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

कुल : 23.5 / 36



अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

टै॒३।२।३॒३ क्ज्ज का वर्ग मार्जार है तथा ANUSHA का वर्ग मार्जार है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार टै॒३।२।३॒३ क्ज्ज और ANUSHA का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

टै॒३।२।३॒३ क्ज्ज मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

ANUSHA मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु टै॒३।२।३॒३ क्ज्ज कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

टै॒३।२।३॒३ क्ज्ज तथा ANUSHA में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। ANUSHA को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

नाड़ी

टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज की नाड़ी अन्त्य है तथा ANUSHA की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज की अन्त्य नाड़ी तथा ANUSHA की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।

मेलापक फलित

स्वभाव

टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज की जन्म राशि भूमि तत्व युक्त मकर तथा ANUSHA की राशि वायु तत्व युक्त मिथुन है। भूमि एवं वायु तत्व में नैसर्गिक विषमताओं के कारण टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज और ANUSHA के मध्य स्वभावगत असमानताएं होगी तथा संबंध भी विशेष मधुर नहीं रहेंगे। अतः यह मिलान विशेष अच्छा नहीं रहेगा।

टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज की राशि का स्वामी शनि तथा ANUSHA की राशि का स्वामी बुध परस्पर सम एवं मित्र राशियों में स्थित है। अतः सुखी वैवाहिक जीवन के लिए यह स्थिति अनुकूल रहेगी। इसके प्रभाव से टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज और ANUSHA के मध्य प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव होगा तथा एक दूसरे को सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही परस्पर गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे एवं कमियों की उपेक्षा करेंगे। फलतः दाम्पत्य संबंधों में मधुरता रहेगी तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज और ANUSHA की राशियां परस्पर षष्ठ एवं अष्टम भाव में पड़ती है। शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा परस्पर संबंधों में तनाव तथा कटुता के भाव की उत्पत्ति होगी। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान देने से वैमनस्य एवं विरोध भी बढ़ेगा अतः यदि टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज और ANUSHA सामंजस्य की प्रवृत्ति का अनुसरण करें तो इसमें किंचित शुभ फलों की प्राप्ति हो सकती है।

टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज का वश्य जलचर तथा ANUSHA का वश्य मानव है। जलचर तथा मानव में नैसर्गिक विषमता होने के कारण इनकी अभिरूचियों में असमानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विषमता रहेगी। साथ ही काम संबंधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में असमर्थ रहेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में कटुता का भाव रहेगा।

टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज का वर्ण वैश्य तथा ANUSHA का वर्ण शूद्र है। अतः टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज की प्रवृत्ति धनार्जन संबंधी कार्यों में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे। परन्तु ANUSHA परिश्रम तथा ईमानदारी से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी। अतः कार्य क्षेत्र की स्थिति अनुकूल रहेगी।

धन

टै॒भ॒र॒ज्ञै॒भ॒ क॒ञ्ज और ANUSHA की आर्थिक स्थिति पर तारा तथा भकूट का कोई भी शुभ या अशुभ प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से इच्छित धन एवं लाभ अर्जित करने में वे समर्थ होंगे तथा उनके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। लेकिन ANUSHA पर मंगल का प्रभाव अच्छा नहीं रहेगा फलतः यदा कदा इनके द्वारा आर्थिक स्थिति में अल्प समय के लिए दम्पति को विषमता का आभास हो सकता है।

टैभरज्ञैभ कज्ज की प्रवृत्ति भी अनावश्यक व्यय करने की होगी तथा जुए या अन्य व्ययनों में वे अधिक व्यय करेंगे अतः यदि वे ऐसी प्रवृत्तियों की उपेक्षा करें तथा बुद्धिमतापूर्वक उपार्जित धन को व्यय करें तो उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी तथा भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करते हुए वे अपना जीवन आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में समर्थ हो सकेंगे।

स्वास्थ्य

टैभरज्ञैभ कज्ज का जन्म अन्य तथा ANUSHA का जन्म आद्य नाड़ी में हुआ है। अतः स्वास्थ्य पर इसका कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा तथा नाड़ी दोष से मुक्त माने जाएंगे। परन्तु मंगल का दुष्प्रभाव टैभरज्ञैभ कज्ज को समय समय पर न्यूनाधिक रूप से होता रहेगा। इसके प्रभाव से टैभरज्ञैभ कज्ज हृदय संबंधी परेशानी प्राप्त करेंगे एवं रक्त तथा पित संबंधी रोगों से भी परकष्ट की प्राप्ति होगी। साथ ही धातु या मूत्र रोग संबंधी परेशानी की भी संभावना होगी। अतः इसके दुष्प्रभाव से बचने के लिए टैभरज्ञैभ कज्ज को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी रखने चाहिए। इससे उपरोक्त अशुभ प्रभावों में कमी होगी तथा शुभ प्रभावों की प्राप्ति करने में समर्थ रहेंगे।

संतान

संतति की दृष्टि से टैभरज्ञैभ कज्ज और ANUSHA का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से टैभरज्ञैभ कज्ज और ANUSHA को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त टैभरज्ञैभ कज्ज और ANUSHA के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

ANUSHA का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः ANUSHA के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार ANUSHA सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा टैभरज्ञैभ कज्ज और ANUSHA को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार टैभरज्ञैभ कज्ज और ANUSHA का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

ANUSHA के अपनी ससुराल के लोगों से संबंधों में वांछित मधुरता रहेगी परन्तु यदा कदा सास से कुछ मतभेद रहेगा जिससे उनके साथ सामंजस्य स्थापित करने में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा तथापि यदि ANUSHA धैर्य एवं बुद्धिमता से कार्य लें तो सास की सहानुभूति प्राप्त हो सकती है।

ससुर देवर एवं ननदों से ANUSHA के संबध मधुर रहेंगे तथा उनसे वांछित स्नेह एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। ससुर की सुख सविधा एवं आराम का वह पूर्ण ध्यान रखेंगी तथा वे भी उसकी सेवा भावना से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवर एवं ननद से भी ANUSHA का व्यवहार मित्रता पूर्ण रहेगा तथा वे भी ANUSHA से प्रसन्न रहेंगे। इस प्रकार वह ससुराल के लोगों से सामंजस्य स्थापित करके आनंदानुभूति प्राप्त करेंगी।

ससुराल-श्री

टै३र।ज्ञै३ क्ज्ज के अपने सास ससुर से संबध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव तथा मतभेद बने रहेंगे जिसका मुख्य कारण इन के मध्य आयु का अधिक अंतर रहेगा। इससे इनके मध्य सैद्धान्तिक तथा वैचारिक मतभेद सामान्य रूप से विद्यमान रहेंगे। लेकिन यदि टै३र।ज्ञै३ क्ज्ज तथा उनके सास ससुर परस्पर सामंजस्य को स्थापित करके व्यवहार करें तो उपरोक्त मतभेदों तथा समस्याओं में काफी न्यूनता हो सकती है।

साथ ही साले एवं सालियों से भी कई क्षेत्रों में असहमति रहेगी तथा संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे फलतः आपस में स्नेह सहयोग एवं सहानुभूति के भाव की न्यूनता रहेगी। अतः इन्हें चाहिए कि बुद्धिमता एवं सामंजस्य युक्त प्रवृत्ति से मतभेदों तथा समस्याओं का समाधान करें तथा मित्रता का भाव भी रखें। इससे उपरोक्त मतभेदों में अल्पता आएगी तथा मधुर संबंधों में वृद्धि भी होगी।

इस प्रकार सामान्य रूप से टै३र।ज्ञै३ क्ज्ज के ससुराल वालों का दृष्टिकोण उनके प्रति अपेक्षित नहीं रहेगा। अतः उन्हें चाहिए कि दामाद के प्रति अपने दृष्टिकोण को विनम्र तथा सहयोग के भाव से युक्त बनाएं।

लग्न फल

VISHALAKSH DUTT

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वाकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृत्ति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृत्ति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृत्ति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृत्ति जैसा व्यवहार करना चाहते हैं। आपकी इस प्रकार की प्रवृत्ति रही अर्थात् इस प्रवृत्ति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढाँचे के होते हैं। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुख्याकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृत्ति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक हैं। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल हैं। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय हैं।

ANUSHA

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर ली तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्सेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यों का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृत्ति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यों से संबंधित रहते हैं। यदि आप इस प्रवृत्ति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगी। अर्थात् आपका विनाश कर देगी। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृत्ति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपके कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा।

परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दी तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगी। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगी, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगी। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगी जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन की स्वामीनी होंगी। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगी। आप समाजिक क्लब की सदस्य होंगी। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगी। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करनी पड़ेगी। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाली बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखती हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करती हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाती हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछे भी लौट सकती हैं। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करती हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देती हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलती हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृत्ति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृत्ति की प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरुचि रखेंगी तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगी। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकती हैं। यदि आप चयन करेंगी तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक हैं। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।

अंक ज्योतिष फल

VISHALAKSH DUTT

आपका जन्म दिनांक छः होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक छः होता है। इसका अधिष्ठाता शुक्र ग्रह है। मूलांक छः के प्रभाववश आप के अन्दर आकर्षण शक्ति तथा मिलन सारिता अधिक रहेगी। इस गुण के कारण आप लोक प्रियता प्राप्त करेंगे। सुन्दरता, सुन्दर वस्तुओं की ओर आकृष्ट होना आपकी सहज प्रवृत्ति होगी। विपरीत सेक्स के प्रति आपका आकर्षण रहेगा एवं सुन्दर नर-नारियों से संबंध बनाना, वार्तालाप करना आपकी प्रकृति में रहेगा।

विभिन्न कलाओं के क्षेत्र में आपकी अभिरुचि रहेगी एवं कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार-व्यापार भी बना सकते हैं। संगीत-साहित्य, ललितकला, चित्रकला इत्यादि में रुचि रखेंगे। सुन्दर वस्त्र धारण करना एवं सुसज्जित मकान में रहना आपको अच्छा लगेगा।

अतिथियों का आदर सत्कार करने में आपको गर्व महसूस होगा। घर या ऑफिस में सभी वस्तुएँ ढंग से सजावट के साथ रखना, सुरुचिपूर्ण फर्नीचर, परदे इत्यादि रखना आपको रास आयेगा।

स्वभाव में आपके थोड़ा हठीपन रहेगा एवं आपकी हमेशा यही कोशिश रहेगी कि आपकी बात को सामने वाला मान जाया करे। किसी बात पर अड़े रहना तथा ईर्ष्या की मात्रा आपके अन्दर अधिक रहेगी। आप कार्यक्षेत्र में किसी की प्रतिद्वन्दिता को आसानी से सहन नहीं कर पायेंगे। जिसके कारण कभी-कभी मानसिक तनाव एवं आत्मग्लानि का भी सामना करना पड़ेगा। आप दूसरों को अपना बना लेने की कला में पारंगत रहेंगे। शीघ्र मित्र बनाने की कला आपके अन्दर अधिक मात्रा में होने से आपके मित्रों की संख्या अधिक रहेगी।

ANUSHA

आपका जन्म दिनांक 30 है। तीन एवं शून्य का योग तीन आपका मूलांक होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह को माना गया है। शून्य शिव है, अखण्ड ब्रह्माण्ड का द्योतक है।

मूलांक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव वश आप एक अनुशासन प्रिय तथा कठोर महिला के रूप में चर्चित रहेंगी। आपकी स्वयं अनुशासन में रहने की इच्छा रहेगी और यही अपेक्षा दूसरों से करेंगी। मातहतों के साथ आपकी कार्यशैली कठोर रहेगी। इससे आपको अधीनस्थों के विरोध, आलोचनाओं का शिकार होना पड़ेगा। आपका रुझान ज्ञान की ओर होने से आप विद्याध्ययन के क्षेत्र में सफल रहेंगी। बौद्धिक स्तर के कार्य आप भलीभाँति संपादित करेंगी। कार्यों में आपकी मौलिकता झलकेगी। आपकी मुखिया बनने की महत्वाकांक्षा कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत रहेगी और दूसरों पर शासन करने में निपुण रहेंगी। धर्मक्षेत्र, कार्यक्षेत्र, समाजसेवा इत्यादि के कार्यों में आपको ख्याति प्राप्त होगी।

तर्क, ज्ञान शक्ति आपमें होने से आप मानसिक रूप से संतुलित रहेंगी तथा इसकी छाया आपके कार्यों में दृष्टि गोचर होगी। आप सामाजिक भलाई के कार्यों में रुचि लेंगी एवं कभी-भी किसी का अहित नहीं करेंगी। शून्य प्रभाववश आप शान्त, कोमल हृदय की, वाणी से मधुर, सच्चाई के रास्ते पर चलने वाली, धर्म-कर्म के क्षेत्र में अग्रण्य महिला के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

VISHALAKSH DUTT

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुए हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगे। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएँ रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगे। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे।

ANUSHA

भाग्यांक नौ का स्वामी मंगल ग्रह को माना गया है। यह ग्रह मण्डल का सेनापति है। रक्त वर्ण का क्षत्रियोचित गुणों का है। इसके प्रभाव से आप स्वतंत्ररूप से रोजगार- व्यापार के क्षेत्र में तरक्की करेंगी। साहस भरे कार्यों से आपका भाग्योदय होगा। आप ऐसे क्षेत्र में अपना रोजगार प्राप्त करेंगी, जहाँ आपकी हुकूमत चलती रहे। मुखिया, नायक, अगुआ के रूप में कार्य करना आपको हमेशा अच्छा लगेगा।

रोजगार के क्षेत्र में आप अपनी स्वतंत्र विचारधारा के द्वारा महत्वपूर्ण उन्नति को प्राप्त करेंगी। यांत्रिक कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। एकाधिकार पूर्ण कार्य क्षेत्र आपकी प्रथम पसन्द रहेंगे और आपकी कोशिश रहेगी कि आपने जो कार्यक्षेत्र अपने जीवन यापन हेतु चुना है उसमें किसी का भी हस्तक्षेप न हो। विरोध, बिना वजह का हस्तक्षेप आप बर्दास्त नहीं कर पायेंगी। यांत्रिकी कार्य, चिकित्सा, सेना, संगठन, सामाजिक क्रिया कलापों में आप गहरी रुचि प्रदर्शित करेंगी।